पद ३४२

(राग: यमन जिल्हा – ताल: त्रिताल)

जब मुर्शद ने कान फूँका। खुल गये आँखां मुझे मै देखा। मानिक कहे गफलत का परदा। लेकर दस्त उठाकर फेंका।।१।।